महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:28 अंक:351 दिनांक: 05-12-2023 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

बंगाल की दक्षिणी खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव अब चक्रवाती तूफान बन चुका है। प्रशासन इसकी निगरानी कर रहा है। प्रशासन संभावित प्रभावों के कारण निगरानी की जा रही है। चक्रवात के कारण तमिलनाडु में अब तक अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई है।

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण चेन्नई में मची तबाही

दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत

चेन्नई (ईएमएस)। जैसे ही बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान मिचौंग में बदल गया और चेन्नई में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 5 दिसंबर को चक्रवात मिचौंग के तट से टकराने के साथ 80-90 किमी प्रति घंटे की गति से 100 किमी प्रति घंटे तक तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है।

भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कनाथूर में एक नवनिर्मित दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हुई और एक व्यक्ति घायल हो गया। मरने वाले लोग झारखंड के रहने वाले थे। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि शहर और इसके पड़ोसी जिलों में अगले 24 घंटों में अत्यधिक भारी बारिश होगी। भारी बारिश और तेज हवा के कारण चेन्नई हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है। कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और कुछ अन्य का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को शहर में तैनात किया गया था। एनडीआरएफ की टीमों ने गंभीर जलजमाव के कारण फंसे पीरकनकरनई और पेरुंगलाथुर के पास तांबरम इलाके से लगभग 15 लोगों को बचाया। खतरे के स्तर से ऊपर बह रहे पानी को देखते हुए सुरक्षा कारणों से बेसिन ब्रिज और व्यासरपाडी के बीच पुल नंबर 14 को निलंबित कर दिया गया है।

चेन्नई से शुरू हो रही मैसूरु शताब्दी एक्सप्रेस, कोयंबटूर कोवई एक्सप्रेस, कोयंबटूर शताब्दी एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु एसी डबल डेकर एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु बृंदावन एक्सप्रेस, तिरुपति सप्तगिरि एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया। इस बीच, जलभराव के कारण 14 सबवे बंद कर दिए गए। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई जबकि कई निचले इलाकों में पानी भर गया।

पड़ोसी जिलों कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में भी भारी बारिश हुई। इसके अतिरिक्त, दक्षिण रेलवे ने भारी बारिश और जलभराव के कारण सोमवार सुबह 8 बजे तक सभी चेन्नई उपनगरीय खंडों में उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। दक्षिण रेलवे के मुताबिक, इन खंडों में केवल विशेष यात्री ट्रेनें ही संचालित की जाएंगी।

पीएम मोदी के सदन में पहुंचते ही लगे तीसरी बार मोदी सरकार' के नारे

नई दिल्ली (ईएमएस)। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत से उत्साहित पार्टी के सदस्यों ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में सोमवार को जमकर नारेबाजी की। प्रधानमंत्री के सदन में आने के बाद भाजपा सांसद और मंत्री अपने स्थान पर खड़े हो गए और 'बार-बार मोदी सरकार, तीसरी बार मोदी सरकार' तथा 'एक गारंटी, मोदी की गारंटी' जैसे नारे लगाने लगे।

भाजपा सदस्यों ने नारेबाजी करने के साथ ही तालियां भी बजाईं। भाजपा सदस्यों की नारेबाजी के समय सदन में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत मिला है। तब तेलंगाना में कांग्रेस ने जीत हासिल की। सदन की कार्यवाही आरंभ होने से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 'बहुत ही उत्साहवर्धक' रहे हैं। उन्होंने कहा, देश ने नकारात्मकता को नकारा है। सत्र के प्रारंभ में विपक्ष के साथियों के साथ हमारा विचार-विमर्श होता है। हमारी टीम विपक्ष के सांसदों से चर्चा करती है। मिलकर सबके सहयोग के लिए हम हमेशा प्रार्थना करते हैं। इस बार भी इस प्रकार की सारी प्रक्रियाएं कर ली गई हैं।

शीतकालीन सत्र की हंगामेदार रही शुरुआत

-महुआ-बिधूड़ी मामले पर सरकार और विपक्ष आए आमने-सामने

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार सुबह शुरू हुआ और हंगामें के बीच 12 बजे तक के लिए सदन की कार्रवाई को स्थगित कर दिया गया। सदन की कार्रवाई के दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद सुशील गुप्ता ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को रिहा किए जाने संबंधी मांग रखी, ऐसा ना होने की स्थिति में उन्होंने विरोध प्रदर्शन की बात कही। इससे पहले सत्र शुरू होते ही लोकसभा सांसद दानिश अली ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।इसके अलावा महुआ मोइत्रा पर एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में टकराव हुआ।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरु होते ही सांसद दानिश ने विवादित और अपमानजनक टिप्पणी को लेकर हंगामा किया और बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी।यहां आपको बतलाते चलें कि बीते सत्र के दौरान चंद्रयान-3 पर चर्चा करते हुए भाजपा सांसद बिधूड़ी ने अली के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

इसके अतिरिक्त सदन में आम आदमी पार्टी के सांसद सुशील गुप्ता ने सिसोदिया और संजय सिंह को रिहा किए जाने की मांग रखी, मांग नहीं माने जाने की स्थिति में उन्होंने विरोध प्रदर्शन की बात कही।जबकि सांसद अली ने महुआ मोइत्रा मामले पर सदन में चर्चा कराने की भी मांग रखी।यहां एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पर भी भाजपा और विपक्ष में टकराव की स्थिति बनी और सदस्य आमने-सामने आते हुए दिखे।कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने महुआ की सदस्यता रद्द किए जाने की स्थिति में फैसले का विरोध करने की बात कही।गौरतलब है कि एथिक्स कमिटी ने पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में महुआ की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की है।एथिक्स रिपोर्ट को आज ही सदन के पटल पर रखा जाना था, लेकिन हंगामे के चलते मामला मंगलवार तक के लिए टल गया।

शीतकालीन सत्र में ये बिल होंगे पेश?

जानकारी अनुसार संसद के शीतकालीन सत्र में 19 बिल पेश किऐ जाने हैं।इसके साथ ही 2 फाइनेंशियल आइटम्स भी पेश किये जाएंगे।पेश किये जाने वाले बिलों में भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 शामिल हैं।इनके अतिरिक्त जम्मू एंड कश्मीर रिजर्वेशन (अमेंडमेंट) बिल, 2023 के साथ ही अनेक बिलों पर चर्चा की जाना है।

इनके अतिरिक्त प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियाडिकल्स बिल, 2023, एडवोकेट्स (अमेंडमेंट) बिल, 2023, पोस्ट ऑफिस बिल, 2023, चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिशनर्स (अपॉइनमेंट कंडीशन ऑफ सर्विसेज एंड टर्म ऑफ ऑफिस) बिल, 2023, बॉइलर्स बिल, 2023, प्रोविजनल कलेक्शन ऑफ टैक्सेज बिल, 2023, सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सेंकड अमेंडमेंट) बिल, 2023 एवं गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (अमेंडमेंट) बिल, 2023 विधेयकों पर भी चर्चा होगी।

भाजपा संसदीय दल की बैठक में शिवराज सहित पांच नामों पर होगा मंथन

मप्र के नए सीएम के नाम पर आज हो सकता है फैसला

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में 163 सीटों के साथ दो तिहाई बहुमत मिलने के बाद मप्र में नया मुख्यमंत्री कौन होगा? इसको लेकर भाजपा में भोपाल से दिल्ली तक राजनीतिक कवायद तेज हो गई है। भाजपा के सभी केंद्रीय पदाधिकारी और मंत्री दिल्ली पहुंच गए हैं। माना जा रहा है कि कल होने वाली भाजपा संसदीय दल की बैठक में हो सकती है, जिसमें मप्र के नए मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला हो सकता है। लेकिन इसके पहले केंद्रीय पर्यवेक्षक के नाम तय होंगे। जिनकी उपस्थिति में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी और मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जाएगा। भाजपा के केंद्रीय पदाधिकारी शिवप्रकाश, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव दिल्ली पहुंच गए हैं।

एमएनएफ को हराकर मिजोरम में जेडपीएम बनाएगी सरकार

-विधानसभा चुनाव के नतीजे आए, 27 सीटों पर जीतकर हा?सिल ?किया बहुमत

आइजोल (ईएमएस)। ?मिजोरम में जेडपीएम सरकार बनाने जा रही है। यहां पर उसने 27 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हा??सिल कर ?लिया है। गौरतलब है ?कि आईपीएस अधिकारी से नेता बने लालडुहोमा के नेतृत्व वाले ?मिज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हराने के बाद पहली बार मिजोरम में अगली सरकार बनाने के लिए तैयार है। मिज़ोरम चुनाव 2023 रुझानों के अनुसार जेडपीएम ने स्पष्ट बहुमत हा?सिल ?किया है। जेडपीएम ने 27 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। वहीं एमएनएफ ने 10 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। जबकि बीजेपी ने 2 सीटों तथा कांग्रेस ने 1 सीट पर जीत दर्ज की है। आइजोल में एक जेडपीएम नेता ने कहा कि लालडुहोमा सेरछिप से राजधानी जा रहे हैं और वह नई सरकार के गठन पर निर्णय लेने के लिए निर्वाचित विधायकों और पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को वोटों की गिनती चल रही है, रुझानों से पता चला है कि विपक्षी कांग्रेस केवल एक सीट पर आगे चल रही है, जबकि भाजपा ने एक सीट जीत ली है और एक अन्य पर आगे है।

जेडपीएम के अध्यक्ष और पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालडुहोमा ने बहुकोणीय मुकाबले में अपने निकटतम एमएनएफ प्रतिद्वंद्वी जे। माल्सावमजुआला वानचावंग को 2,983 मतों के अंतर से हराकर अपनी सेरछिप सीट बरकरार रखी, जबकि पार्टी के अधिकांश प्रमुख उम्मीदवार अपनी-अपनी सीटों पर आगे चल रहे हैं। आईपीएस अधिकारी से नेता बने लालडुहोमा, जिन्होंने 8,314 वोट हासिल किए, लगातार दूसरी बार राज्य विधानसभा के लिए चुने गए। जेडपीएम के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालडुहोमा ने अपनी सीट जीतने के बाद मीडिया को बताया कि वह मंगलवार या बुधवार को राज्य के राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे और शपथ ग्रहण समारोह इसी महीने आयोजित किया जाएगा। एमएनएफ उम्मीदवार और मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा आइजोल ईस्ट-1 सीट पर पीछे चल रहे हैं, जहां जेडपीएम उम्मीदवार लालथनसांगा आगे चल रहे हैं।

वहीं उपमुख्यमंत्री और एमएनएफ उम्मीदवार तावंलुइया भी तुइचांग सीट पर पीछे चल रहे हैं, जहां जेडपीएम के डब्लू चुआनावमा आगे चल रहे हैं। एमएनएफ के कई अन्य मंत्री भी अपनी-अपनी सीटों पर पीछे चल रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लालसावता अपनी आइजोल पश्चिम-तीन सीट जेडपीएम उम्मीदवार वी।एल।ज़ैथनज़ामा से 4,582 वोटों के अंतर हार गए। 2018 के चुनावों में, एमएनएफ को 40 सदस्यीय विधानसभा में से 26 सीटें मिलीं, जबकि जेडपीएम को आठ सीटें मिलीं। कांग्रेस को पांच सीटें मिली थीं और बीजेपी एक सीट जीतने में कामयाब रही थी। य?हां 7 नवंबर को हुए वोटों की गिनती राज्य के सभी 11 जिलों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 8 बजे शुरू हुई।

पीएम मोदी की गांरटी से झूमा, शेयर बाजार

बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंक मजबूत

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोमवार को लगातार पांचवें दिन तेजी दिखाई दी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से निवेशक उत्साहित दिखाई दिए। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों के 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने से भी बाजार को मजबूती मिली।

तीन हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा की क्लीन स्वीप के बाद इक्विटी बाजार सोमवार को इंट्राडे कारोबार में नए शिखर पर पहुंच गए। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 418 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स इंट्राडे में 35,124 के नए शिखर पर पहुंच गया, जबकि बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने 41,222 का नया ऑलटाइम हाई का रिकॉर्ड बनाया। दोनों सूचकांक 1.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1383.93 अंक की भारी बढ़त के साथ 68,865.12 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 68,918.22 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 68,274.47 तक आया।

वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 418.90 अंक की शानदार बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,686.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 20,702.65 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 20,507.75 तक आया। सेंसेक्स कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई में सबसे ज्यादा क्रमशः 4.68 प्रतिशत और 3.99 प्रतिशत की तेजी रही। लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। दूसरी तरफ, विप्रो और टाटा मोटर्स और टाइटन नुकसान में रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में जर्मनी और फ्रांस में जहां तेजी रही वहीं लंदन बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा।

देश की आधी आबादी पर राज कर रहा भगवा दल, कांग्रेस की हिस्सेदारी सिर्फ 8.51 प्रतिशत जनसंख्या पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव परिणाम 2023 घोषित हुए, और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) न सिर्फ दो नए राज्यों में सरकार बनाने का अधिकार पा गई, बल्कि अब देश की 41 प्रतिशत से अधिक आबादी पर खुद अपने बूते राज करने जा रही है। इतना ही नहीं गठबंधन सहयोगियों के लिहाज से शासन चलाने का पहलू देखने पर भाजपा का शासन अब देश की आधी से ज्यादा आबादी पर हो गया है। इसके विपरीत, कांग्रेस का शासन खुद के बूते देश की सिर्फ 8.51 प्रतिशत जनसंख्या पर रह गया है, हालांकि गठबंधन सहयोगियों के बूते कांग्रेस अब भी 19.84 प्रतिशत हिन्दुस्तानियों पर राज कर रही है।

अगर हम पहले यह देखने कि बीजेपी का राज देश की आधी से ज्यादा आबादी पर कैसे है, तब सबसे पहले देखते हैं कि वह अपने बूते कहां-कहां शासन कर रही है। वर्तमान में देश के 12 राज्यों में बीजेपी की अपनी सरकार होगी, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, त्रिपुरा, मणिपुर, गोवा और अरुणाचल प्रदेश हैं। अगर 2011 की जनगणना के लिहाज से देखने पर उत्तर प्रदेश में उस वक्त हिन्दुस्तान की 16.51 प्रतिशत आबादी बसती थी, तब आज भी देश की बढ़ी हुई आबादी का इतना ही प्रतिशत उत्तर प्रदेश में बसता होगा।

इस लिहाज से यूपी में देश की 16.51 प्रतिशत, एमपी में छह प्रतिशत, राजस्थान में 5.66 प्रतिशत, गुजरात में 4.99 प्रतिशत, असम में 2.58 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 2.11 प्रतिशत, हरियाणा में 2.09 प्रतिशत, उत्तराखंड में 0.83 प्रतिशत, त्रिपुरा में 0.3 प्रतिशत, मणिपुर में 0.21 प्रतिशत, गोवा में 0.12 प्रतिशत तथा अरुणाचल प्रदेश में 0.11 प्रतिशत रहती है, और इस तरह बीजेपी देश की कुल 41.51 प्रतिशत आबादी पर अपने खुद के बूते शासन कर रही है। इन 12 राज्यों के अलावा, भाजपा महाराष्ट्र (9.28 प्रतिशत), मेघालय (0.25 प्रतिशत), नागालैण्ड (0.16 प्रतिशत) तथा सिक्किम (0.05 प्रतिशत) में रहने वाली कुल 9.74 प्रतिशत आबादी पर गठबंधन के द्वारा भी राज कर रही है, इस हिसाब से बीजेपी का राज कुल मिलाकर देश की आधी से ज्यादा यानी 51.25 प्रतिशत आबादी पर हो गया है।

अपने सहयोगियों को दरकिनार करने के कारण हारी कांग्रेस : ममता बनर्जी

2024 में नहीं आएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्य मंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सदस्यों के साथ सीट-बंटवारे की व्यवस्था की कमी के कारण तीन राज्यों में प्रमुख विधानसभा चुनाव हार गई। उन्होंने जोर दिया कि यह कांग्रेस की हार है, लोगों की नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना जीत लिया है। वे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जीत चुके होते। कुछ वोट इंडिया की पार्टियों ने काटे। यह सच है। हमने सीट-बंटवारे की व्यवस्था का सुझाव दिया था। वोटों के बंटवारे के कारण वे हार गए।

ममता ने कहा, विचारधारा के साथ-साथ आपको रणनीति की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर सीट-बंटवारे की व्यवस्था होती है, तब बीजेपी 2024 में सत्ता में नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन अगले साल आम चुनाव से पहले मिलकर काम करेगा और गलतियों को सुधारेगा। ममता की टिप्पणी कांग्रेस को तीन प्रमुख राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हार का सामना करने के बाद आई है। पार्टी मिजोरम में सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद सिर्फ एक सीट जीतने में सफल रही। उसकी एकमात्र सांत्वना तेलंगाना में जीत है।

विधानसभा चुनाव के दौर में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने कई सीटों पर अलग-अलग चुनाव लड़ा था। कई लोगों ने बताया है कि इससे वोटों में विभाजन हुआ और भाजपा को फायदा हुआ। जैसे ही रुझानों में कल भाजपा की जीत की ओर इशारा किया गया, भारतीय गुट के भीतर हंगामा शुरू हो गया, कई सहयोगियों ने चुनावों से पहले खुद को दूर करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। जनता दल-यूनाइटेड के केसी त्यागी ने कहा कि कांग्रेस ने भारत की अन्य पार्टियों को नजरअंदाज किया, लेकिन अपने दम पर जीतने में असमर्थ रही। केरल के मुख्यमंत्री और सीपीएम नेता पिनाराई विजयन ने कहा कि हिंदी पट्टी में बीजेपी से मुकाबला करते समय साथ मिलकर लड़ना जरूरी है।

तेलंगाना में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक, खरगे के ऊपर छोड़ सीएम चुनने का फैसला

हैदराबाद (ईएमएस)। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) ने तेलंगाना में राज्य सरकार के गठन पर चर्चा के लिए सोमवार को तेलंगाना में नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक बुलाई। बैठक का नेतृत्व एआईसीसी पर्यवेक्षक और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और तेलंगाना के एआईसीसी प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने किया। बैठक के बाद डीके ने कहा, विधायकों ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया है कि वे चाहते हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तेलंगाना के मुख्यमंत्री का चयन करें।

यह प्रस्ताव तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने रखा और बैठक में उपस्थित सभी विधायकों ने इसका समर्थन किया। शिवकुमार ने कहा कि जबकि प्रक्रिया जारी है, नवनिर्वाचित विधायकों ने इस दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की है। यह सुनिश्चित करने के प्रयास में कि हर आवाज सुनी जाए, सभी 64 विधायक मुख्यमंत्री पद के लिए अपने पसंदीदा उम्मीदवार पर अपनी राय साझा करने के लिए डीके से व्यक्तिगत रूप से मिलने वाले है। यह सामूहिक निर्णय तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत के बाद आया है, इस रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस सुनामी कहा है।

शिवकुमार ने कहा कि हम यहां अपनी सरकार बनाने की अनुमति देने के लिए राज्य के लोगों को धन्यवाद देते हैं। नवनिर्वाचित कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को कांग्रेस विधायक दल का नेता नियुक्त करने के लिए अधिकृत करने का संकल्प लिया। सभी ने तय किया है कि आलाकमान जो भी फैसला करेगा, हम उसके अनुसार चलने हैं। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रेड्डी ने अपने दल की प्रमुख नेता सोनिया गांधी और अध्यक्ष खरगे का आभार जताकर कहा कि सरकार गठित करने के बाद उनकी पार्टी तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस की जीत 'तेलंगाना के शहीदों' को समर्पित है। उन्होंने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने राज्य में पार्टी को मजबूती प्रदान की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा दी गई 'छह गारंटी' और राहुल गांधी तथा पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं द्वारा किए गए वादों को भी पार्टी पूरा करेगी।

ट्रेनी विमान दुर्घटनाग्रस्त, 2 वायुसैनिक प्रशिक्षुओ की मृत्यु

हैदराबाद (ईएमएस)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का एक प्रशिक्षण विमान हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर मेडक जिले के तूप्रान के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, ?जिससे दो पायलटों की मृत्यु हो गई। पिलाटस पीसी 7 एमके टू ट्रेनर विमान ने सोमवार सुबह करीब 8.30 बजे नियमित प्रशिक्षण उड़ान के लिए वायु सेना अकादमी, हैदराबाद से उड़ान भरी थी, जो चट्टानों के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो पूरी तरह जलकर खाक हो गया। वायुसेना अधिकारियों ने बताया कि दोनों पायलटों में से एक प्रशिक्षक और एक प्रशिक्षु था। आईएएफ ने एक बयान में कहा, ''यह बेहद अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि एलएएफ पुष्टि करता है कि विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई हैं। इस दौरान किसी भी नागरिक जीवन या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है।स्थानीय लोग दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।

कर्नाटक और हिमाचल हारे तब पीएम मोदी का ज्ञान कहां था : अधीर रंजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस पार्टी ने पूर्व विधानसभा चुनाव में हार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देकर कहा कि जब भाजपा कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश चुनाव हार गई तब उनका ज्ञान (सलाह) गायब हो गया। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले, पीएम मोदी ने विपक्ष को हताशा निकालने के बजाय छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हार से सबक लेने की सलाह दी।

इसके जवाब में कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा, बेहतर होगा कि पीएम हमारे भविष्य के बारे में सोचना बंद कर दें। क्योंकि जब बीजेपी कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश हार गई तब सब ज्ञान गायब हो गया था। कांग्रेस महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी इस टिप्पणी को लेकर पीएम मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हर चुनाव अलग होता है। जब कांग्रेस ने कर्नाटक जीता, तब यह बात (प्रधानमंत्री द्वारा) नहीं कही गई। जब कांग्रेस ने तेलंगाना जीता तब ये बात नहीं थी। बेशक, हम उन लोगों को बधाई दे रहे हैं जिन्होंने चुनाव जीता है। सच कहूं तब मध्यप्रदेश में क्या हुआ, हम समझ ही नहीं पा रहे हैं।

चौधरी ने कहा, कुछ दिन पहले कर्नाटक-हिमाचल प्रदेश में चुनाव हुए थे उस समय मोदी जी का ज्ञान कहां था?... वे समय-समय पर अपने ज्ञान निकालते हैं... भाजपा के पास प्रधानमंत्री के अलावा और कोई चेहरा नहीं है, तब यह भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद की नहीं मोदी जी की जीत है, उन्हें यह मान लेना चाहिए। समाजवादी पार्टी सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि जो जीता हुआ होता वह कुछ भी कह सकते हैं और जो हार जाते हैं उन पर सवाल उठाए जाते हैं... इनकी(बीजेपी) पॉलिसी है कि यह रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं, राजीव गांधी के जमाने में 412 में (कांग्रेस) जीते थे, उस रिकॉर्ड को इन्हें(बीजेपी) तोड़ना है।

दरअसल पीएम मोदी ने सोमवार को विपक्षी दलों से आग्रह किया कि संसद के शीतकालीन सत्र में वे विधानसभा चुनावों में मिली पराजय का 'गुस्सा' ना निकालें बल्कि उससे सीख लेकर पिछले नौ सालों की नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक रूख के साथ आगे बढ़ें, तभी उनके प्रति लोगों का नजरिया बदल सकता है।

मिजोरम में तीन महिला उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की

आइजोल (ईएमएस)। मिजोरम विधानसभा में तीन महिला उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। विधानसभा की 40 सीट के लिए चुनावी मैदान में उतरे 174 उम्मीदवारों में से केवल 16 महिलाएं थीं। इनमें से दो महिलाओं ने दो-दो सीट पर चुनाव लड़ा जिससे महिलाओं की दावेदारी 18 सीट पर हो गई।

ईसीआई के आंकड़ों के अनुसार, जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) की बेरिल वन्नेइहसांगी तथा लालरिनपुई और मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की प्रोवा चकमा ने चुनाव में जीत हासिल की। आइजोल दक्षिण-3 सीट पर वन्नेइहसांगी ने 1,414 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 9,370 वोट मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एमएनएफ के एफ लालनुनमाविया को 7,956 वोट मिले।

लालरिनपुई ने लुंगलेई पूर्व में कांग्रेस उम्मीदवार जोसेफ लालहिमपुइया को 1,646 मतों के अंतर से हराया। एमएनएफ उम्मीदवार को जहां 5,641 वोट प्राप्त हुए, वहीं कांग्रेस उम्मीदवार को 3,995 वोट मिले।

चकमा को 7,167 वोट प्राप्त हुए और उन्होंने पश्चिम तुइपुई सीट पर 711 मतों के अंतर से जीत हासिल की जबकि कांग्रेस के निहार कांति चकमा ने 6,456 वोट हासिल किए।

मिजोरम विधानसभा के निवर्तमान सदस्यों में से एक भी महिला नहीं है। मुख्य विपक्षी दल रहे जेडपीएम ने 27 सीट जीतकर एमएनएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। एमएनएफ ने 10 सीट पर जीत दर्ज की। भारतीय जनता पार्टी ने दो सीट जीतीं जबकि कांग्रेस के खाते में एक सीट आई।

मुझे नौसेना के झंडे को छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत से जोड़ने का अवसर मिला- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

- नौसेना की वर्दी पर अब दिखेगी शिवाजी महाराज की झलक

- नौसेना में रैंकों का नाम भारतीय संस्कृति के नाम पर रखा जाएगा

सिंधुदुर्ग, (ईएमएस)। हर साल 4 दिसंबर को मनाया जाने वाला नौसेना दिवस इस साल महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग किले को साक्षी मानकर जिले में मनाया जा रहा है। भारतीय नौसेना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को मालवण में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. इस अवसर पर उनके द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिकृति प्रतिमा का अनावरण किया गया। इसके बाद मोदी ने लोगों और खासकर कोंकणवासियों को संबोधित करते हुए कुछ अहम घोषणाएं कीं. इसमें रत्नागिरी, देवगढ़, मालवण जैसे तटीय क्षेत्रों के विकास कार्य शामिल हैं। सबसे पहले उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार चढ़ाकर उनका अभिवादन किया. इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, अजीत पवार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौसेना की तारीफ की और कहा, नौसेना परिवार के सभी सदस्यों को मेरी शुभकामनाएं। मुझे इस सिंधुदुर्ग किले से नौसेना दिवस की शुभकामनाएं देने का सौभाग्य मिला। छत्रपति शिवाजी महाराज समुद्री शक्ति के महत्व को जानते थे। उनकी घोषणा का अर्थ था, जो समुद्र को नियंत्रित कर सकता है वह सबसे शक्तिशाली है, जैसा कि शिवाजी महाराज कहा करते थे। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा से देश परतंत्रता की मानसिकता को छोड़कर आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि हमारे नौसैनिक अधिकारी अब जो एपॉलेट पहनते हैं। वहां आपको छत्रपति शिवाजी महाराज की झलक मिलेगी. नए इपॉलेट्स पर अब शिवाजी महाराज की सेना का प्रतीक अंकित होगा। मोदी ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे नौसेना के झंडे को छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत से जोड़ने का अवसर मिला। आगे उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल के दौरान बनाए गए किलों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कोंकण समेत पूरे महाराष्ट्र में इसके लिए सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं. हमारा प्रयास है कि देश भर से लोग हमारी इस गौरवशाली विरासत को देखने आएं। यहां से हमें विकसित भारत की यात्रा को तेज करना है। पीएम मोदी ने कहा, अपनी विरासत पर गर्व करते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि भारतीय नौसेना में रैंकों का नाम भारतीय संस्कृति के नाम पर रखा जाएगा। हम इस पर काम भी कर रहे हैं. हमारे रक्षा बलों में महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा है कि मैं नौसैनिक जहाज पर देश की पहली महिला कमांडिंग ऑफिसर की नियुक्ति के लिए नौसेना को बधाई देना चाहता हूं। जनता ने निराशावाद की राजनीति को परास्त कर हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। यह व्रत हमें विकसित भारत की ओर ले जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का इतिहास सिर्फ 1000 साल की गुलामी, हार और निराशा का नहीं है बल्कि भारत का इतिहास विजय, वीरता, ज्ञान, विज्ञान, कला और उसके नौसैनिक कौशल का है।

जन हितैषी

बड़े-बड़े दिग्गज चुनाव हार गये

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आ चुके हैं। इसमें सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक चार राज्यों के चुनाव परिणाम रहे हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ तेलंगाना के कई बड़े दिग्गज चुनाव में बुरी तरह से पराजित हुए हैं। राजस्थान में विधानसभा के अध्यक्ष सीपी जोशी चुनाव हार गए। अशोक गहलोत सरकार के 25 में से 17 मंत्री चुनाव हार गए हैं। जो बड़े नेता चुनाव हारे हैं उनमें विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड़ और उप नेता सतीश पूनिया भी हारने वाले नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं। पुनिया कुछ दिन पहले तक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने अपने 7 सांसदों को चुनाव मैदान में उतरा था। इनमें से तीन सांसद चुनाव मैं पराजित हो गए हैं। मध्य प्रदेश में भी कई बड़े दिग्गज नेता चुनाव हार गए हैं। कृषि मंत्री कमल पटेल उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्ती गांव हार गए हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की हार सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक रही है। केंद्रीय मंत्री और सांसद फग्गन ?सिंह कुलस्ते और सांसद गणेश ?सिंह भी विधानसभा का चुनाव हार गए हैं। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह भी लहार से चुनाव हार गए हैं। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव विधानसभा चुनाव हार गए हैं। दुर्ग में भारतीय जनता पार्टी के सांसद विजय बघेल अपना चुनाव हार गए हैं। मध्य प्रदेश के जो चुनाव परिणाम आए हैं, उसमें कांग्रेस पार्टी की दूसरी पीढ़ी के लगभग सभी नेता चुनाव हार गए हैं। चुनाव परिणाम से यह साबित हो गया है कि कांग्रेस की दूसरी पीढ़ी के नेता चुनाव हारने के बाद नेपथ्य में चले गए हैं। पांचो राज्यों के जो चुनाव परिणाम आए हैं, वह सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। विशेष रूप से मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम को लेकर आम जनता को भी विश्वास नहीं हो पा रहा है कि इस तरीके के चुनाव परिणाम आ सकते हैं। पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल भी बुरी तरीके से फ़्लॉप साबित हुए हैं। मध्य प्रदेश में जिस तरह से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है, वह आश्चर्यचकित करने वाला है। यहां पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। यह माना जा रहा था कि इस बार मतदाताओं में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर नाराजगी है। मतदान के पूर्व मतदाताओं की नाराजी स्पष्ट रूप से जमीनी स्तर पर देखने को मिल रही थी। उसके बाद भी जिस तरीके के चुनाव परिणाम आए हैं, उसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। भाजपा ने 3 माह पहले 39 सीटों पर अपने उम्मीदवार घो?षित कर ?दिये थे। उनमें से 24 उम्मीदवारों ने चुनाव जीत ?लिये हैं। कुछ सीटों पर 20 से 30 साल की समयाव?धि में भाजपा ने यह सीटें नहीं जीती थी, जो इस चुनाव में जीत ली है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर पांच राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर लोग आपस में आश्चर्यजनक चुनाव प?रिणामों की चर्चा कर रहे हैं।

बहुत कठिन है डगर संसद की...

पांच राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणामों ने नए साल में विपक्ष के लिए संसद की डगर को बहुत कठिन बना दिया है। अर्बन नक्सलियों के प्रचंड विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू चल गया और खानदानी जादूगर हार गए। हालाँकि चुनावों के सभी नतीजे अप्रत्याशित और अविश्वसनीय हैं , लेकिन उन्हें ख़ारिज नहीं किया जा सकता । जनादेश तो होता ही शिरोधार्य करने के लिए है। देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के लिए जहा ये नतीजे आत्मपरीक्षण के लिए एक बड़ा अवसर हैं वहीं लोकसभा चुनाव के लिए बनाये गए आईएनडीआईए डइण्डिया . गठबंधन के लिए एक अग्निपरीक्षा।

इस समय देश विचारधाराओं के बजाय ऐसे मुद्दों पर विभाजित होता दिखाई दे रहा है जो नए नहीं है। नया सिर्फ इतना है कि देश, आजादी से पहले जहाँ खड़ा था ,आज भी वहीं खड़ा नजर आ रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि आजादी के पहले राजनीति प्रोडक्ट नहीं थी और उसके साथ किसी तरह की कोई गारंटी बाबस्ता नहीं थी । जो कुछ था वो एक संघर्ष से हासिल आजादी और एक संविधान था। मुझे हैरानी होती है कि जो राजनीति आजादी की लड़ाई के फौरन बाद देश में औंधे मुंह गिरी थी वही राजनीति आजादी के 75 साल बाद शीर्ष पर है। और इसकी वजह शायद विचारशून्यता ही हो सकती है।

मैंने कल ही कहा था कि अब त्रेता नहीं कलियुग है । अब हानि,लाभ,जीवन,मरण,जस,अपजस सब विधि के नहीं नृप के हाथ में हैं ,और ये आम चुनाव से पहले हुए सेमीफाइनल में साबित भी हो गया। अब जनता विधि के बजाय नृप पर ज्यादा भरोसा कर रही है। राजा की गारंटियां अपना असर दिखा रहीं हैं। कोई इसे स्वीकार करे या न करे ,इससे इन गारंटियों और नयी राजनीति पर कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है तो देश के उस मूल चरित्र पर पड़ता है जिसके लिए देश ,दुनिया में जाना -पहचाना जाता रहा है।

चुनावों में कौन ,किस वजह से हारा ,किस वजह से जीता इसका विश्लेषण राजनीतिक दल करें,ये काम हमारा नहीं है। क्योंकि राजनीति में हमारा कोई दखल नहीं है । यदि होता तो हम भी चुनाव लड़ रहे होते। हम तो जन्मजात वाच डॉग हैं हिंदी पट्टी में कांग्रेस के पास अब केवल हिमाचल प्रदेश है। ये प्रदेश इतना बड़ा है जितने हमारे सूबे के अनेक शहर हैं। हिमाचल की सत्ता में रहकर कांग्रेस पूरे देश से अपने लिए ताकत नहीं बटोर सकती । कांग्रेस के लिए दक्षिण की चार मीनार के दो दरवाजे बेशक खुल गए हैं लेकिन इनसे मिलने वाली ऊर्जा भी शेष भारत में कांग्रेस के मुरझाये पौधे को संजीवनी नहीं दे सकते।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद भाजपा के लिए संसद का रास्ता जितना आसान हो सकता है कांग्रेस और शेष विपक्ष के लिए उतना ही कठिन । क्योंकि भाजपा के लिए अब स्पर्द्धा कम हो गयी है जबकि कांग्रेस के लिए इंडिया गठबंधन को एकजुट बनाये रखना आसान नहीं रहा। कांग्रेस यदि तेलंगाना के बजाय मध्य प्रदेश या राजस्थान जीतती तो मुमकिन है कि परिदृश्य कुछ और होता,लेकिन ऐसा हो नहीं सका। कांग्रेस मध्य प्रदेश तो तीन साल पहले ही गंवा चुकी थी ,अब राजस्थान और छत्तीसगढ़ भी उसके हाथ से निकल गया। इसके लिए भाजपा ने कौन सा अनाम ऑपरेशन चलाया ,कोई नहीं जानता। मुमकिन है कि भविष्य में इण्डिया गठबंधन का नेतृत्व भी उसे छोड़ना पड़ जाये। क्योंकि अब गठबंधन के तमाम सदस्य कांग्रेस नेतृत्व को आँखें दिखने की स्थिति में आ गए हैं।

कांग्रेस के पास एक विरासत जरूर है लेकिन उसकी संगठनात्मक शक्ति लगभग समाप्त हो चुकी है। कांग्रेस के पास अब कोई ऐसा संगठनकर्ता नजर नहीं आता जो पार्टी के लिए नए सिरे से एक मजबूत संगठन खड़ा कर सके। सांगठन बनाना एक पूर्णकालिक काम है। संगठन के लिए ऐसे लोग होना चाहिए जो सत्ता लोलुप न हों। इस देश में कैडर पर आधारित वामपंथ का साम्राज्य समाप्त होते देखा है। देश अब कांग्रेस को संकुचित होते हुए देख रहा है ,और यदि कांग्रेस अब भी न सम्हली तो देश कांग्रेस को भी हासिये पर खड़ा होते देख सकता है। कांग्रेस का वजूद अब तक उस विचारधारा की वजह से बचा है जो उसे गाँधी-नेहरू से विरासत में मिली थी। कांग्रेसका नेतृत्व इस विरासत को नयी पीढ़ी को हस्तांतरित करने में नाकाम दिखाई दे रहा है।

आप अन्यथा ले सकते हैं किन्तु मेरा मानना है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस को अपने पांवों पर खड़ा करने की अनथक कोशिश की है। राहुल की कोशिशें यदि रंग नहीं ला पा रहीं तो उसकी एकमात्र वजह कांग्रेस की पुरानी पीढ़ी का सत्तालोलुप और सामंती होना है । कांग्रेस में अब कोई कामराज योजना की कल्पना नहीं कर सकता । तमाम बड़े राज्यों में कांग्रेस के पास जय और वीरू की जो जोड़ियां हैं वे उम्रदराज हो चुकीं हैं ,लेकिन नया नेतृत्व पनपने ही नहीं दे रहीं। कांग्रेस ये स्वीकार करने के लिए शायद तैयार नहीं है कि वो अब देश की सबसे प्रमुख विपक्षी पार्टी है। कांग्रेस जिस संघर्ष के रस्ते से देशवासियों के दिल में उत्तरी थी ,वो संघर्ष करने का माद्दा कांग्रेस के पास नहीं है।

क्या आप नहीं मानते कि आज देश में भाजपा को छोड़ जितने भी राजनीतिक दल हैं उनमें से अधिकांश कांग्रेस के गर्भ से उसके दम्भ की वजह से नहीं जन्मे ? देश में आज कांग्रेस की जितनी औरस संताने हैं उतनी जनसंघ या भाजपा की नही। देश में जितने भी समाजवादी राजनीतिक दल हैं उनके डीएनए में भी कहीं न कहीं,थोड़ी-बहुत कांग्रेस है। यहां तक की बहुजन समाजवादी पार्टी भी कांग्रेस का ही एक सह उत्पाद है। कांग्रेस में यदि कोई प्रभावी दलित नेता होता तो शायद बसपा जन्म ही न लेती। अब कांग्रेस खुद को सम्हालने के साथ ही यदि देश में बिखरे हुए विपक्ष को सम्हालने के लिए काम करे तो ही उसका वजूद बच सकता है। अन्यथा भाजपा और संघ की रणनीति के सामने कांग्रेस को ढेर होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। कांग्रेस विहीन भारत भाजपा और आरएसएस का ख्वाब हो सकता है ,लेकिन पूरे देश का नहीं। कांग्रेस विहीन भारत कैसा होगा इसका अनुमान आज लगना आसान नहीं है।

विजय पथ पर बढ़ती भाजपा को बधाई देने के साथ ही लगातार पराजित होती कांग्रेस के प्रति भी सहानुभूति है। राहुल गांधी के प्रति सहानुभूति है । राहुल ने पिछले दस साल में कांग्रेस को शक्तिशाली बनाने के लिए बहुत कुछ किया है। लेकिन उस गरीब के पीछे जो लोग खड़े हैं वे ही उसके हितैषी नहीं हैं। राहुल विधानसभा चुनावों के नतीजों की समीक्षा करने हिमालय की किसी गुफा में जाएँ या विदेश के किसी रमणीक स्थल पर ये उनका निर्णय है। हम और आप तो फ़िलहाल अब सत्तारूढ़ भाजपा के नए प्रहसनों से मनोरंजन करें तो बेहतर है ।भाजपा के पास एक से बढ़कर एक मनोरंजक कार्यक्रम हैं।(लेखक राकेश अचल)

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में उद्योग क्षेत्र का बढ़ता योगदान

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2023, के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के आंकड़े भारत सरकार द्वारा जारी कर दिए गए हैं। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर विभिन्न वित्तीय संस्थानों द्वारा लगाए गए अनुमानों से बहुत ऊपर रही है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों द्वारा दिए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत अधिक अर्थात यह वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत की रही है, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही में 6.2 प्रतिशत की रही थी। भारत में इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि की तुलना में अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में तिमाही के दौरान वृद्धि दर बहुत कम रही है। फिलिपींस में 5.9 प्रतिशत, रूस में 5.5 प्रतिशत, वियतनाम में 5.33 प्रतिशत, अमेरिका में 5.2 प्रतिशत, चीन में 4.9 प्रतिशत, मलेशिया में 3.3 प्रतिशत, थाईलैंड में 1.5 प्रतिशत, ब्रिटेन में 0.6 प्रतिशत, यूरो क्षेत्र में 0.1 प्रतिशत, जर्मनी में रिणात्मक 0.4 प्रतिशत एवं जापान में रिणात्मक 2.1 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई है। इस प्रकार भारत पूरे विश्व में लगातार सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

हर्ष का विषय तो यह है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर में मुख्य योगदान उद्योग क्षेत्र का रहा है। भारत के उद्योग क्षेत्र ने इस दौरान 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है, जो कि हाल ही के समय में अपने आप में एक रिकार्ड है। वित्तीय वर्ष 2022-23 की द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2022 के दौरान उद्योग क्षेत्र ने रिणात्मक 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी। उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत, विनिर्माण क्षेत्र ने 13.9 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान रिणात्मक 3.8 प्रतिशत थी। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र ने 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर, माइनिंग क्षेत्र ने 10 प्रतिशत, कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने 13.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है। इन समस्त क्षेत्रों में रिकार्ड वृद्धि दर से भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हुए हैं, जिसके चलते बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हुई है।

भारत में प्रत्येक वर्ष अक्टोबर-नवम्बर माह में दीपावली एवं अन्य कई महत्वपूर्ण त्यौहारों का मौसम रहता है। इन त्यौहारों के दौरान भारत के नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों की भारी मात्रा में खरीददारी की जाती है। ऐसा आभास है कि अकटोबर-नवम्बर में पड़ने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए जुलाई-सितम्बर 2023 तिमाही में ऑटोमोबाइल, फ्रिज, टीवी, मोबाइल फोन, आदि जैसे विभिन्न उत्पादों का भारी मात्रा में उत्पादन विनिर्माण इकाईयों द्वारा किया गया है। जिसके चलते इस तिमाही में विनिर्माण इकाईयों ने भारी भरकम 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। भारत में कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते इस क्षेत्र में आकर्षक 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर ली गई है। अकटोबर 2023 माह में भी कोर क्षेत्र के उद्योगों ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है।

इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है। इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टतः पड़ता हुआ दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में केवल 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है, जो कि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 प्रतिशत की रही थी। भारत में कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पूरे विश्व में ही खाद्य उत्पादों की भारी कमी महसूस की जा रही है। भारत, इस स्थिति का लाभ उठा सकता है एवं पूरे विश्व को ही खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर सकता है। रबी मौसम की बुआई का कार्य प्रगति पर है। यदि खाद्य पदार्थों की बुआई के क्षेत्रफल में भारी विस्तार किया जा सके तो खाद्य पदार्थों के उत्पादन में भारी वृद्धि की जा सकती है। आज पूरा विश्व ही खाद्य पदार्थों के लिए भारत की ओर टकटकी लगाए है एवं आशाभरी नजरों से भारत की ओर देख रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में सेवा क्षेत्र में रिकार्ड की गई वृद्धि दर ने जरूर निराश किया है। इस दौरान सेवा क्षेत्र ने 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज की गई वृद्धि दर 9.4 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में हासिल की गई वृद्धि दर से आश्चर्य भी हुआ है क्योंकि विभिन्न बैकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में वृद्धि दर लगातार दहाई के आंकड़े पर बनी हुई है, होटल लगातार अपनी स्थापित क्षमता का भरपूर उपयोग करते हुए दिखाई दे रहे हैं, रेल्वे एवं हवाई जहाज का उपयोग भी लगातार उच्चत्तम स्तर पर बना हुआ है। फिर भी, वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र ने 6 प्रतिशत एवं व्यापार एवं होटल क्षेत्र ने 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इसी प्रकार निजी क्षेत्र में अंतिम उपभोग में भी केवल 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। भारत को यदि शीघ्र ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना है तो भारत के निजी क्षेत्र के लिए अपने उपभोग में वृद्धि करना अब आवश्यक हो गया है।

यह तो सरकारी क्षेत्र के अंतिम उपभोग में भारी भरकम 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है, एवं केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में भारी भरकम वृद्धि रही है जिसके चलते देश में पूंजी निर्माण में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जो अंततः इस तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के पीछे मुख्य कारक बन गया है। आगे आने वाले समय में लोक सभा चुनावों को देखते हुए सम्भवतः केंद्र सरकार के अंतिम उपभोग में और अधिक वृद्धि होने की सम्भावना है एवं इस दौरान केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय भी अभी और तेजी से बढ़ेगा जिसके कारण वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय एवं चतुर्थ तिमाही में भी सकल घरेलू उत्पाद में आकर्षक वृद्धि दर रहने की भरपूर सम्भावना है। साथ ही, इस वर्ष नवम्बर 2023 माह में दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के चलते लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दर्ज हुआ है तथा देश में विभिन्न तीर्थ स्थलों पर भारी मात्रा में भारतीय नागरिक धार्मिक पर्यटन करते हुए दिखाई दे रहे हैं और आगे आने वाले माह में देश में शादियों के मौसम के चलते भी नागरिकों के खर्च में भारी भरकम वृद्धि होगी, इसका प्रभाव, तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पर भी देखने को मिलेगा।

कुल मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति के पालन (धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाते भारतीय, विभिन्न भारतीय त्यौहारों को बड़े उत्साह से मनाते भारतीय) से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब द्वितीय तिमाही में भी 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। अब तो पूरा विश्व ही आश्चर्य कर रहा है भारत विभिन उत्पादों के लिए अपनी आंतरिक मांग के आधार पर अपने सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल कर रहा है एवं इस दृष्टि से भारत की विदेशी व्यापार पर निर्भरता बहुत ही कम है।

(लेखक - प्रहलाद सबनानी/ईएमएस)
(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

आज का इतिहास 5 दिसंबर

1560 चार्ल्स नौवें फ्रांस की गद्दी पर बैठे.
1905 शेख मुहम्मद अब्दुल्ला का जन्म.
1934 सोवियत संघ में जोसेफ स्टालिन का तख्ता पलटने की साजिश के सिलसिले में 66 व्यक्तियों को मौत के घाट उतार दिया गया.
1936 सोवियत संघ ने नया संविधान स्वीकार किया.
1943 जापानी विमानों ने कोलकाता पर दिन में बमबारी की.
1950 अरविंदस्वामी का निधन.
1956 ब्रिटिश और फ्रंसीसी फौजों ने मिस्त्र से हटना शुरू किया.
1971 सुरक्षा परिषद में सोवियत संघ ने भारत पाक युद्ध में युद्ध विराम कराने के प्रस्ताव को वीटो किया.
1977 मिस्त्र ने पांच देशों से राजनयिक संबंध तोड़ लिए.
1985 ब्रिटेन ने यूनेस्कों से हटने की योजना घोषित की.
1988 मांट्रियल (कनाडा) विश्व भर के 90 देशों ने विश्व व्यापार के उदारीकरण के बारे में विचार विमर्श किया.
1990 राष्ट्रीय पुलिस मुख्यालय पर कब्जा करने वाले पूर्व अधिकारी को अमरीकी सैनिकों ने गिरफ्तार किया.
1991 दिल्ली को विधानसभा व मंत्री परिषद देने की घोषणा.
1992 उच्चतम न्यायालय के एक फैसले में पिछड़ों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण मंजूर.
1999 भारत की युक्ता मुखी ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता.
1994 मुज्जफरपुर जिले में गोपालगंज के जिलाधिकारी जी.कृष्णैया की उग्र भीड़ ने हत्या की.
2004 कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों ने विस्फोट कर सुरक्षाबल के वाहन को उड़ा दिया,जिसमें 11 जवान मारे गए.
2003 राजस्थान,मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़, में भाजपा व दिल्ली में कांग्रेस को बहुमत मिला.

कहीं आंसुओं की है दास्तां, कहीं मुस्कुराहटों का है बयां,...

(कहो तो कह दूं)

मशहूर गजल गायक स्वर्गीय जगजीत सिंह का एक एल्बम है सहर इसमें गजलकार राजेश रेड्डी की एक ग़ज़ल बड़ी मकबूल है ये जो जिंदगी की किताब है ये किताब भी क्या किताब है इसी ग़ज़ल का एक शेर है कहीं आंसुओं की है दास्तां कहीं मुस्कुराहटों का है बयां ये शेर इस विधानसभा चुनाव में पूरी तरह से फिट बैठता हैं ।किसी दल में आंसुओं की झड़ी लगी है तो दूसरा दल मुस्कुराए पड़ा है, क्या-क्या अरमान सजाए बैठे थे चुनावी समर में उतरने वाले तमाम योद्धा, कोई अपने जीतने के सपने देख रहा था तो कोई सरकार बनने की और उसमें मलाईदार डिपार्टमेंट पाने के अरमान पाले बैठा था । कांग्रेस ने तो सोच ही लिया था इस बार तो उसकी सरकार पक्की है कुछ महीने पहले कमलनाथ को भावी मुख्यमंत्री बताते हुए होर्डिंग्स लगाए गए थे, दो दिन पहले भोपाल के कांग्रेस कार्यालय के सामने फिर एक पोस्टर लगाया गया था मिल रहा है सबका साथ आ रहे हैं कमलनाथ लेकिन कांग्रेस और उसके प्रत्याशियों ने कभी सोचा भी नहीं था कि उन्हें ऐसी हार का सामना करना पड़ेगा इतना ही नहीं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भी इस बात की उम्मीद नहीं थी कि उन्हें ऐसा जनादेश मिल जाएगा । जैसे ही रिजल्ट आए एक तरफ खुशियों की सुनामी सी आ गई और दूसरी तरफ मायूसी का सैलाब उमड़ पड़ा । पांच साल का वक्त बहुत लंबा होता है वैसे अपने हिसाब से तो कांग्रेस को अब विपक्ष में रहने की आदत पड़ गई है और अगर ना पड़ी हो तो अब उसे इसकी आदत डाल भी लेनी चाहिए, तमाम बड़े-बड़े नेता एक झटके में विधानसभा से बाहर हो गए, प्रत्याशियों ने जी भर कर पैसा खर्च किया न जाने कितने वायदे किए लेकिन हाथ में आया बाबा जी का ठुल्लू ये राजनीति की किताब भी बड़ी अजीब है एक बार जिसको इस राजनीति का खून लग जाता है फिर वो और किसी काम का रह नहीं जाता । जो नेता बरसों से नेतागिरी कर रहे थे वे हारने के बाद यही कह रहे हैं कि हम तो जनता की सेवा कर रहे थे जनता ने जो कुछ निर्णय लिया वह हम सर माथे पर रखते हैं और आगे भी सेवा करते रहेंगे, अब इसके अलावा और चारा भी क्या बचा है बेचारों के पास करें भी तो क्या करें जनता का निर्णय तो सर माथे पर रखना ही पड़ेगा । तमाम टीवी चैनलों ने अपने-अपने एग्जिट पोल दिखाए किसी ने कुछ बताया तो किसी ने कुछ बताया लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनके तमाम एग्जिट पोल धरे के धरे रह गए। ज्योतिषियों, गुनियों तांत्रिकों की शरण में गए तमाम नेताओं को भी उनके मंत्र तंत्र नहीं बचा पाए क्योंकि चुनाव के दौरान सबसे बड़ा तांत्रिक मतदाता ही होता है और जो वह चाहता है वही होता है इसलिए अब यह कहना चाहिए प्रत्याशी लाख चाहे तो क्या होता है होता वही है जो मंजूर मतदाता होता है देखना ये है कि हारे हुए यह नेता आगे भी जनता की सेवा करते रहेंगे या फिर अपने-अपने धंधे में लग जाएंगे वैसे इसकी ही उम्मीद ज्यादा की जाना चाहिए ।

मामा का जादू

भले ही भाजपा के हाई कमान ने अपने प्रदेश के मामा शिवराज सिंह चौहान को चुनावी टिकट बांटने में और चुनाव के दौरान होने वाली बड़े नेताओं की सभाओं में साइड लाइन कर दिया हो लेकिन मामा जी तो मामा जी हैं, राजनीति का हर दांव पेंच उनके रग रग में बसा हुआ है, किस वक्त क्या करना है इसकी टाइमिंग उनसे ज्यादा बेहतर और कोई नहीं समझता यही कारण है कि पिछले 17 सालों से हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हुए हैं,लोग बात और राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानते हैं कि जो सरकार ज्यादा समय तक रहती है उसके खिलाफ एंटी इनकंबेंसी हो जाती है लेकिन मामा जी पता नहीं ऐसी कौन सी घुट्टी इस प्रदेश की जनता को पिलाए पड़े हैं कि एंटी इनकंबेंसी दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। मामा जी की एक और खासियत है वे रात दिन जनता को लुभाने वाली स्कीमों के बारे में सोचते रहते हैं,अब देखो ना और चुनाव के पहले लाडली बहना योजना शुरू कर प्रदेश की महिलाओं को हजार फिर बारह सौ देने की जो स्कीम मामा जी ने स्टार्ट की तो तमाम बहनों ने विजय का हार अपने भाई के गले में डाल दिया ।भाजपा के बड़े नेताओं को भी मानना पड़ा कि ये जो स्कीम है वो वास्तव में तरफ का पत्ता है इसलिए अंत में मामा जी का नाम भी लेना पड़ा और उनकी स्कीम के बारे में भी लोगों को लोगों के सामने कहना पड़ा की प्रदेश कि शिव राज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में गजब की उन्नति की है अब सवाल यह आ रहा है की मामा की इस स्कीम से जो जनादेश भारतीय जनता पार्टी को मिला है तो इसके जनक मामा शिवराज सिंह चौहान को किनारे कैसे किया जा सकता है,एक ही झटके में मामा जी ने सारा खेल अपने पक्ष में कर लिया और यही मामाकी सबसे बड़ी खासियत है अपना तो मानना ये है कि मामा जी को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी परमानेंट रूप से एलॉट कर देना चाहिए।

किसी पर भरोसा नहीं रहा

जो प्रत्याशी चुनाव में खड़े हुए थे उन्हें अपने मतदाता पर गजब का भरोसा था कि वे उन्हें ही वोट देंगे लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनके हाथों के तोते उड़ गए ऐसी पटकनी दी मतदाता ने जो कभी सपने में भी उन्होंने सोची नहीं थी । दरअसल जनता भी राजनेताओं के साथ रह रहकर बहुत उस्ताद हो गई है जो आता था उसी से वायदा कर देते थे कि आपके अलावा तो और किसी को वोट देने का सवाल ही नहीं उठाता ,जैसे राजनेता वायदा करते हैं आपका जो भी काम होगा वह हम करेंगे लेकिन जब काम करवाने जनता जाती थी तो टरकाना के अलावा और कुछ उसे मिलता नहीं सो जनता ने भी वो स्कीम पकड़ ली है उसे भी मालूम है कि पांच साल में एक बार नेताजी दरवाजे पर आएंगे उसके बाद तो उसी को नेताजी के दरवाजे जाकर उनके हाथ पर जोड़ना पड़ेंगे इसलिए वह भी उन्हीं की तर्ज पर वायदा करने लगी है। वैसे भी इस कलयुग में किसी का किसी पर भरोसा बचा नहीं है जब जनता को नेताओं पर भरोसा नहीं तो नेता जनता पर क्यों भरोसा कर रहे हैं । फिर विश्वास का संकट तो इन दोनों बहुत तेजी पकड़ रहा है भाई भाई पर भरोसा नहीं कर रहा बाप को बेटे पर भरोसा नहीं रहा,पति-पत्नी के बीच भरोसे की डोर टूटती जा रही है जब हर तरफ भरोसा खत्म हो रहा है तो राजनीति में तो सबसे पहले यह भरोसा खत्म हो जाना चाहिए ।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

चलो आज हम लोग बाहर खाना खाते हैं श्रीमान जी ने श्रीमती जी से कहा

अच्छा तो मैं तैयार होकर आती हूं श्रीमती जी ने खुश होकर कहा

ठीक है तुम जब तक तैयार होती हो तब तक मैं आंगन में चटाई बिछा देता हूं श्रीमान जी ने कहा (लेखक- चैतन्य भट्ट/ईएमएस)

शब्द पहेली - 7847

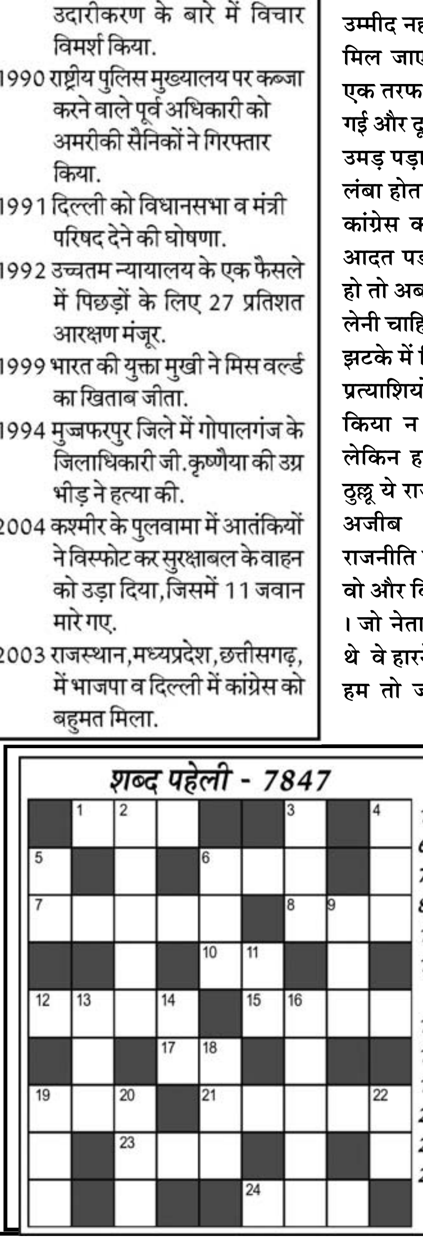

बाएँ से दाएँ

1.उच्च कुल का-3
6.जलज,पंकज,नीरज-3
7.चरित्र,धर्म-5
8.वचन,प्रतिज्ञा-3
10.आनेवाला दिन-2
12.पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15.अनबन,कहासुनी-4
17.रुपया,पैसा-2
19.भ्रम,संदेह-3
21.कहानी लिखनेवाला-5
23.अंजन-3
24.वजह-3

ऊपर से नीचे

2.अधिवर्ष,29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3.कंठ,गला-3
4.लाज,लज्जा-3
5.विवाह,ब्याह-2
6.सोना,धतूरा-3
9.टेका,आसरा-3
11.बुरी आदत-2
13.रेखा,लाइन-3
14.हत्या,मर्डर-2
16.नवचंद्राकार -5
18.अनुकृति-3
19.भला कार्य-3
20.घर,गृह,निवास-3
22.युद्ध,संग्राम -2

शब्द पहेली -7846 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

ईसीबी का फरमान, अगले साल आईपीएल नहीं खेले जोफ्रा आर्चर

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2024 के टी20 विश्व कप को ध्यान में रखकर तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से हटने को कह दिया है। आर्चर को 2022 के आईपीएल से पहले मुंबई इंडियंस ने आठ करोड़ रुपए में खरीदा था, लेकिन फ्रेंचाइजी ने पिछले सप्ताह उन्हें 'रिलीज कर दिया था। आईपीएल की 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली नीलामी की सूची में उनका नाम पंजीकृत नहीं है। आर्चर अपने करियर में चोटों से जूझते रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 'ईसीबी का मानना है कि आर्चर यदि आईपीएल में खेलने के लिए भारत में होने के बजाय अप्रैल और मई में ब्रिटेन में रहते हैं,तब उनकी वापसी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार आर्चर ने ईसीबी के साथ दो साल के नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं तथा क्रिकेट बोर्ड वेस्टइंडीज और अमेरिका में अगले साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें पूरी तरह से अपने नियंत्रण में रखना चाहता है।

भारत के खिलाफ तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का ऐलान

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला में विश्राम दिया गया है और वह इसके बाद होने वाली टेस्ट श्रृंखला में वापसी करने वाले हैं। दक्षिण अफ्रीका खेल के तीनों प्रारूप में भारतीय टीम की मेजबानी करेगा। भारत दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगा। इस दौरे की शुरुआत 10 दिसंबर को डरबन में पहले टी20 मैच से होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, 'कप्तान बावुमा और कैगिसो रबाडा उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर रखा गया है। यह दोनों खिलाड़ी इसके बाद टेस्ट श्रृंखला में वापसी करने वाले हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की तैयारी में जुटे हैं। दोनों टीम के बीच पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से सेंचुरियन में होगा।

बावुमा की अनुपस्थिति में एडेन मार्कराम सीमित ओवरों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई करने वाले हैं। अब तक एक वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह दी गई है, जबकि हेनरिक क्लासेन को टेस्ट टीम से बाहर रखा गया है। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्ज़ी, मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को भी वनडे से बाहर रखा गया है। यह तीनों खिलाड़ी पहले दो टी20 मैच और दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किए गए हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक और अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए दक्षिण अफ्रीका ने भी भारत की तरह अपनी वनडे टीम में कई नए चेहरों को शामिल किया है। इनमें तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन और ऑलराउंडर मिहलाली मपोंगवाना जैसे नए चेहरे भी शामिल हैं। बल्लेबाज डेविड बेडिंघम (टेस्ट) और तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर (तीनों प्रारूप) को भी पहली बार मौका दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी (पहला और दूसरा टी20), डोनोवन फरेरा, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन (पहला और दूसरा टी20), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा टी20), एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिज़ाद विलियम्स

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन , केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, काइल वेरेन और लिज़ाद विलियम्स।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम : टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

रामकुमार रामनाथन को आईटीएफ कलबुर्गी ओपन का खिताब

कलबुर्गी (ईएमएस)। भारत के रामकुमार रामनाथन ने यहां पुरुष एकल के एकतरफा फाइनल में ऑस्ट्रिया के डेविड पिचलर को सीधे सेटों में हराकर कलबुर्गी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रूप में अपना तीसरा आईटीएफ खिताब जीता। पिछले सप्ताह आईटीएफ मुंबई ओपन का खिताब जीतने वाले रामकुमार ने पिचलर को केवल 64 मिनट में हराकर पिछले 57 दिनों की अवधि में अपना तीसरा आईटीएफ खिताब जीता। भारतीय डेविस कप टीम के खिलाड़ी रामकुमार को इस जीत पर 3200 अमेरिकी डॉलर का चेक और 25 एटीपी अंक मिले। पिचलर को 2120 अमेरिकी डॉलर के अलावा 16 एटीपी अंक मिले। रामकुमार ने जीत के बाद कहा कि लगातार दूसरा खिताब जीतकर मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने पिछले दो सप्ताह में अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस का प्रदर्शन किया है।

रहाणे-पुजारा नहीं जाएंगे टीम इं???डिया के साउथ अफ्रीका दौरे पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गई है। उम्मीद थी कि अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को स्क्वॉड में शामिल किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। इस पर सौरव गांगुली ने भी कहा कि यह समय है उनके लिए मूव ऑन करने का। सौरव गांगली से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या रहाणे और पुजारा को टेस्ट सीरीज में मौका मिलना चाहिए था? इसपर गांगुली ने कहा कुछ समय पर आपको नए टैलेंट को मौका देने की जरूरत होती है। इंडिया में बहुत सारे टैलेंट हैं। टीम को अब आगे बढ़ने की जरूरत है। पुजारा और रहाणे ने भारत के लिए काफी क्रिकेट खेला है। उन्होंने भारत को कई मैच भी जिताए हैं। लेकिन यह समय अब उनके लिए नहीं है। ये सभी के साथ होता है। मैं उन्हें बेशक धन्यवाद देना चाहूंगा। जो भी उन्होंने भारतीय टीम के लिए किया है। बता दें ?कि चेतेश्वर पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट मैच इस साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। डब्ल्यूटीसी फाइनल में पुजारा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसके बाद उन्हें वेस्टइंडीज दौरे से भी बाहर कर दिया गया था। वहीं, अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट इसी साल 2023 में जुलाई में खेला था। तब से खेलने का मौका नहीं मिला है।

बिश्नोई ने 10 महीने में बना ?लिया अश्विन के 6 साल में तैयार ?किया ?रिकार्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के युवा ?खिलाड़ी रवि बिश्नोई ने केवल दस माह में अ??श्विन के उस ?रिकार्ड को तोड़ ?दिया ?जिसे उसने 6 साल में तैयार ?किया था। र?वि ने वर्ल्ड कप फाइनल में भी खूब धूम मचाई थी। जहां भारत के युवा खिलाड़ियों ने कंगारू टीम के छक्के छुड़ा दिए। रवि बिश्नोई सीरीज के टॉप विकेट टेकर साबित हुए। फरवरी में टी20 में टीम इंडिया में डेब्यू करने वाले बिश्नोई ने महज 10 महीने में टीम इंडिया के फिरकी मास्टर आर अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रवि बिश्नोई ने टीम इंडिया की तरफ से अभी तक 21 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 34 विकेट अपने नाम किए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मुकाबलों में बिश्नोई ने 9 विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ वे किसी एक द्विपक्षीय सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। बिश्नोई ने टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन की बराबरी कर ली है। अश्विन ने साल 2016 में यह कारनामा किया था।

अश्विन ने टी20 डेब्यू के 6 साल बाद यह ?रिकार्ड बनाया जबकि बिश्नोई ने 10 महीनों में ही ये कमाल कर दिखाया है। बिश्नोई ने इस सीरीज में अपने पहले ही ओवर में बल्लेबाजों को ज्यादातर शिकार बनाया। 5 में से 4 मुकाबलों में बिश्नोई ने अपने पहले ही ओवर में विकेट हासिल किया। सीरीज के आखिरी मैच में जब टीम इंडिया मुश्किल में थी तो बिश्नोई ने 2 अहम विकेट लेकर बाजी पलट दी। आखिरी मैच में बिश्नोई और मुकेश कुमार की गेंदबाजी की बदौलत टीम इंडिया ने 6 रन से रोमांचक जीत हासिल की। आखिरी टी20 मुकाबले में टीम इंडिया की बैटिंग मुश्किल में नजर आई। इस बीच श्रेयस अय्यर टीम के ?लिए संकटमोचक के रुप में सामने आए।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 7 दिसम्बर को गांधीनगर में आयोजित होगा स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2023

- केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे

- देशभर से यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स, वेंचर कैपटलिस्ट्स और गुजरात के प्रमुख व्यवसायी होंगे शामिल

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात सरकार आगामी वाइब्रेंट गुजरात समिट 2024 के पूर्वार्ध के रूप में 7 दिसम्बर 2023 को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन करने जा रही है। इस कार्यक्रम की जानकारी राज्य सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री ऋषिकेश पटेल ने दी। ऋषिकेश पटेल ने बताया कि स्टार्टअप कॉन्क्लेव से संबंधित एक राउंड टेबल मीटिंग 6 दिसम्बर 2023 को गांधीनगर में आयोजित की जाएगी। इस मीटिंग में भारत सरकार के केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और भारत सरकार के कौशल विकास व उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर की भी विशेष उपस्थिति रहेंगे। इस स्टार्टअप कॉन्क्लेव में देशभर से यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स, वेंचर कैपटलिस्ट्स और गुजरात के प्रमुख व्यापारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि यह राउंड टेबल मीटिंग और स्टार्टअप कॉन्क्लेव, देश व गुजरात में स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने और प्रशासनिक तंत्र को और रिज़ीलिएंट बनाने में मदद करेगा। साथ ही, अनुपालनों के संदर्भ में भी नियामक सुधारों, कर प्रोत्साहन और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बेहतर बनाने में ध्यान केन्द्रित करेगा। इस कॉन्क्लेव में भारत और गुजरात में वेंचर कैपटलिस्ट्स और प्राइवेट इक्विटी इन्वेस्टमेन्ट की स्थिति की समीक्षा और गुजरात में अधिक निवेश आकर्षित करने के अवसरों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा, कॉन्क्लेव में रीसर्च एंड डेवलपमेन्ट, मार्केट ऐक्सेस, फंडिंग और फाइनेंशियल इन्क्लूज़न के साथ-साथ स्टार्टअप की चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। ऋषिकेशभाई पटेल ने कहा कि स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2023 स्टार्टअप्स, निवेशकों और एंजेल नेटवर्क को नए विचारों और नए अवसरों के आदान-प्रदान के लिए एक साथ लाने के लिए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। यह कार्यक्रम विभिन्न सेशन्स, मास्टर क्लासेस और नेटवर्किंग के अवसरों की मेजबानी करेगा, जो विभिन्न राज्यों में सहयोग, रचनात्मकता, और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने में मदद करेगा। मंत्री ने आगे बताया कि भारत सरकार ने इनोवेशन, स्टार्टअप और देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के उद्देश्य से 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया था। 2016 में स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू करने के बाद से, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (ऊ्रघ्घ्क्र) ने लगभग 99,000 स्टार्टअप को मान्यता दी है जो यह दिखाता है कि स्टार्टअप इंडिया की उपलब्धियों से उद्योग जगत को काफी प्रोत्साहन मिला है।

भारत को तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाना है

स्टार्टअप कॉन्क्लेव का यह सेक्शन भारत के स्टार्टअप्स की अविश्वसनीय सफलता की कहानियों को दर्शाएगा। ऊ्रघ्घ्क्र और स्टार्टअप-इंडिया के इनोवेशन की सफलता को प्रदर्शित किया जाएगा। भारत में अब तक लगभग 108 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स हैं जिनकी वैल्यू लगभग 340.80 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। इन यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स में से 44 यूनिकॉर्न्स वर्ष 2021 बने हैं जिनकी वैल्यू लगभग 93 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। इसके बाद वर्ष 2022 में 21 यूनिकॉर्न्स हुए हैं जिनकी वैल्यू लगभग 27 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। उच्च एवं तकनीकि मंत्री ने आगे बताया कि पहला यूनिकॉर्न 2011 में हुआ था, और वहीं वर्ष 2022 तक भारत में 100 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स का शतक पूरा हो गया है। विदेशी और स्थानीय निवेश भारतीय स्टार्टअप्स के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान में भारत में लगभग 30 यूनिकॉर्न कंपनियाँ ऐसी हैं जो बड़े टर्नओवर वाली भारतीय स्टार्टअप कंपनियाँ हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इन 30 यूनिकॉर्न्स कंपनियों में से लगभग 18 यूनिकॉर्न कंपनियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (इउ्र) है। स्टार्टअप कॉन्क्लेव का यह सेगमेन्ट इन्वेस्टर्स को स्टार्टअप्स पर मार्गदर्शन देगा। अनुभवी निवेशकों का एक पैनल स्टार्टअप्स के लिए अपने अनुभव, सर्वोत्तम प्रथाओं और जोखिमों को साझा करेगा। ग्लोबल एक्सेलेरेटर सत्र में, ग्लोबल एक्सेलेरेटर्स स्टार्टअप के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और इसमें प्रमुख एक्सेलेरेटर्स उपस्थित रहकर, वे अपनी क्षमताओं का परिचय देंगे।

मंत्री ने कहा कि जहाँ युवा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व शोध का भरपूर लाभ उठा रहे हैं, वहीं राज्य सरकार ने भी नवीन पहल करके युवाओं को प्रोत्साहित किया है। स्टार्ट-अप और हैकथॉन के माध्यम से गुजरात आज सभी क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए देश का सबसे अच्छा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में स्टार्ट-अप की शुरुआत की। इसकी सफलता के परिणामस्वरूप, जनवरी 2016 में भारत सरकार द्वारा स्टार्ट-अप इंडिया के लॉन्च के बाद 2017 में पहला स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (एसआईएच) आयोजित किया गया था। स्मार्ट इंडिया हैकथॉन, माननीय श्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में आने वाली कुछ कठिन समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करने की एक राष्ट्रव्यापी पहल है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में न्यू इंडिया वाइब्रेंट हैकथॉन का ग्रैंड फिनाले गांधीनगर में संपन्न हुआ, जिसमें 1000 से अधिक छात्रों की 2067 टीमों ने राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों-उद्योगों से संबंधित 231 समस्याओं के समाधान के लिए भाग लिया। अंतिम राउंड में समस्या कथनों को हल करने का सुझाव देने वाली 181 टीमों में से सर्वश्रेष्ठ 36 टीमों को इस प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया है जिन्हें 42 लाख का पुरस्कार दिया जाएगा। विजेता टीम के छात्र संबंधित विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर उपयोगी समाधान प्रदान करेंगे।

ऋषिकेश पटेल कहा कि राज्य में स्टार्टअप और इनोवेशन को प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में एक समर्पित सरकारी कंपनी गुजरात स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब (आई-हब) की स्थापना की है। प्रदेश के युवाओं के नवोन्वेषी एवं बौद्धिक विचारों को स्टार्ट-अप में बदलने के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक आई-हब भवन का निर्माण किया गया है, जिसका उद्घाटन कल किया जायेगा। अहमदाबाद के केसीजी परिसर में 100 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित, यह आई-हब बिल्डिंग एक साथ 500 स्टार्ट-अप को इनक्यूबेट करने की क्षमता रखती है।

गैरकानूनी टोल बूथ को लेकर बड़ा खुलासा, भाजपा नेता समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज

मोरबी (ईएमएस) मोरबी के गैरकानूनी टोल बूथ को लेकर बड़ा खुलासा हुआ हैं इस पूरे मामले में भाजपा के एक नेता के संलिप्तता सामने आई हैं पुलिस ने स्वयं शिकायतकर्ता बनकर भाजपा नेता समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं बता दें कि मोरबी के वघासिया गांव में नकली टोल बूथ पिछले डेढ साल से चल रहा था और प्रति दिन एक लाख रुपए से भी अधिक की कमाई की जाती थीं दरअसल मोरबी के वांकानेर के निकट वघासिया में नकली टोल बूथ की चौंकाने वाली खबर सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गयी कलेक्टर ने तुरंत मामले की जांच के आदेश दे दिएं नकली टोल बूथ के निकट पुलिस जवान तैनात कर दिए गए जो गैरकानूनी टोल बूथ की ओर जानेवाले वाहनों को कानूनी टोल बूथ की ओर मोड़ने लगें पिछले डेढ साल से चल रहे इस टोल बूथ पर मिनी ट्रक से रु. 100, बड़े ट्रक से रु. 200 और कार से रु. 50 की वसूली की जाती थीं मामला सामने आने पर हरकत में आई पुलिस ने व्हाइट हाउस सिरामिक कंपनी के मालिक अमरशी पटेल, वनराजसिंह झाला, हरविजयसिंह झाला, धर्मेन्द्रसिंह झाला, युवराजसिंह झाला समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की हैं पुलिस ने खुद शिकायतकर्ता बनकर धोखाधड़ी समेत विभिन्न दफाओं के तहत केस दर्ज किया हैं जानकारी के मुताबिक नेशलल हाईवे स्थित कानूनी टोल बूथ के निकट स्थित व्हाइट हाउस नामक कंपनी पिछले काफी समय से बंद थीं वैध टोल बूथ के निकट होने से इस कंपनी के बीच से सड़क निकाली गई और अवैध टोल बूथ का गोरखधंधा शुरू कर दिया गयां गैरकानूनी टोल बूथ से प्रति दिन एक लाख रुपए से अधिक की आय होती थीं जिसमें 70 प्रतिशत रकम अमरशी पटेल लेता थां जबकि 30 प्रतिशत रकम वनराजसिंह झाला, हरविजयसिंह झाला, धर्मेन्द्रसिंह जाला और युवराजसिंह झाला आपस में बांट लेते थें धर्मेन्द्रसिंह झाला भाजपा का नेता है और वघासिया गांव का मौजूदा सरपंच भी हैं फिलहाल वांकानेर शहर पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं

15 साल की किशोरी से पारिवारिक भाई ने किया दुष्कर्म, जांच में जुटी पुलिस

राजकोट (ईएमएस) मौजूदा दौर में बेटियां अपने ने ही घर में सुरक्षित नहीं हैं सगे भाई हो पिता किसकी नियत कब बदल जाए, यह कहना मुश्किल हैं जब सगे भाई और पिता की नियत बदल सकती है पारिवारिक रिश्तों पर कैसे भरोसा किया जाए? ऐसी ही एक घटना राजकोट के गोंडल से सामने आई है, जिसमें 15 साल की नाबालिग लड़की के साथ उसके पारिवारिक भाई ने एक नहीं चार-चार बार दुष्कर्म कियां पीड़िता के पिता को जब पता चला तो उन्हें पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवा दीं जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक राजकोट की गोंडल तहसील के मूंगावावडी में कक्षा 10 की 15 वर्षीय छात्रा के साथ दर्शिल संजय दुधात्रा नामक 22 वर्षीय युवक ने दुष्कर्म कियां रिश्ते में पारिवारिक भाई दर्शिल ने पीड़िता को उसके छोटे भाई और पिता की हत्या करने की धमकी देकर बलात्कार कियां पीड़िता का छोटा भाई 11 वर्ष का है और कक्षा 6 में पढ़ाई करता हैं जबकि उसका पिता कारखाने में नौकरी के साथ ही खेती काम करता हैं पीड़िता के साथ दादा-दादी भी रहते हैं और कौन कब कहां जाता है, इस बारे में दर्शिल को सब पता थां एक दिन जब पीड़िता घर में अकेली थी तब दर्शिल उसे बहला फुसलाकर अपने घर ले गया और वहां उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाएं साथ ही धमकी दी कि अगर उसने किसी से कुछ बताया तो वह उसके छोटे भाई और पिता को मार देगां इस घटना के बाद तीन दफा दर्शिल ने पीड़िता को डरा धमकाकर अपने घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म कियां दर्शिल से परेशान होकर पीड़िता घर छोड़कर चली गई और जब मिली तब उसने परिवार को आपबीती सुनाईं परिवार ने पीड़िता को सांत्वना दी और उसके बाद गोंडल तहसील पुलिस थाने में आरोपी दर्शिल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दीं जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की हैं बताया जाता है कि पीड़िता पहले होस्टेल में रहकर पढ़ाई करती थी, लेकिन दर्शिल के दबाव में आकर उसे होस्टेल छोड़ना पड़ा और अपने माता-पिता के साथ रहने लगीं

अगले 5 वर्षों में आईटी/आईटीईएस निर्यात को रु.25,000 करोड़ तक ले जाने का गुजरात का लक्ष्य

- गुजरात ने वित्त वर्ष 21-22 में आईटी/आईटीईएस निर्यात में 14ङ की वार्षिक वृद्धि दर्ज की

गांधीनगर (ईएमएस) वर्ल्ड-क्लास आईटी इन्फ्रस्ट्रक्चर, उच्च कौशल संसधानों, टेक्नोलॉजी में इनोवेशन के लिए अनुकूल माहौल के साथ भारत के अग्रणी राज्यों में से एक बनने के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, गुजरात सरकार ने आईटी/आईटीईएस नीति 2022-27 पेश की। इस नीति के माध्यम से गुजरात अगले 5 वर्षों में लगभग 25,000 करोड़ रुपये के साथ आईटी/आईटीईएस निर्यात को बढ़ाकर 1 लाख से अधिक नौकरियां पैदा करने में सक्षम बनेगा। गुजरात में 5000 से भी ज़्यादा, छोटी, मध्यम और बड़ी आईसीटी कंपनियां है, जिनमें अधिकतर कंपनियां अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा और सूरत में है। इन कंपनियों के आईटी/आईटीईएस एक्पोर्ट्स में 14ङ की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में, गुजरात ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) रजिस्टर्ड यूनिट्स के माध्यम से सॉफ्टवेयर एक्स्पोर्ट में लगभग 5000 करोड़ रुपए हासिल किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, भारतीय आईटी इंडस्ट्री अपनी डिजिटल ताकत को और मजबूत बनाने के लिए नई टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को अपना रहा है। भारत लगातार आईटी इंडस्ट्री, एआई, साइबर सिक्योरिटी और आईओटी जैसी उभरती हुई अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। प्रधानमंत्री के 'विकसित भारतें2047' के विज़न में अपना योगदान देने के लिए गुजरात भी प्रयत्न कर रहा है। इसी दिशा में आगामी वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 से पहले 11 अंतरराष्ट्रीय और 8 राष्ट्रीय रोड शो आयोजित किए गए। गुजरात के प्रतिनिधिमंडल ने कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आईटी/आईटीईएस कंपनियों के लीडर्स के साथ अहम बैठकें भी की। इन चर्चाओं में आईटी/आईटीईएस सेक्टर के प्रति गुजरात के विज़न और राज्य में मौजूद अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और इटली की उल्लेखनीय अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ चेन्नई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ की प्रमुख भारतीय कंपनियों ने गुजरात के आईटी सेक्टर में निवेश करने की प्रति गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने ग्लोबल डेटा सेंटर बिज़नेस को विकसित या विस्तारित करने, स्टार्ट-अप्स का सहयोग करने, डिजिटल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्रदान करने, रणनीतिक साझेदारी बनाने और आईटी से संबंधित बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए गुजरात में मौजूद कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च ऑर्गेनाइज़ेशन और शिक्षाविदों के साथ सहयोग करने का भी इरादा दिखाया। इन यात्राओं के दौरान जिन कंपनियों से बातचीत हुई उनमें, फ्रांस से थॉम्पसन कंप्यूटिंग और पार्टेक्स एनवी, जापान से ट्रेंडमाइक्रो, ऑस्ट्रेलिया से आईएनक्यू इनोवेशन ग्लोबल और यूएसए से बीकन, ऑर्जेनेटिक्स, प्रिसिजन प्लास्टिक पैकेजिंग कंपनी, बिटस्केप, इनकोवेशन, ओगोइंग, कैरेनिवा आईएनसी, कोरेंट टेक्नोलॉजी आईएनसी, टेकी- पेशेंट एक्सप्रेस, इनसाइट एग्जामिनेशन सर्विसेज इंक, एटीजीसी ग्रुप आईएनसी, रूब्रिक और इटली से मेक्सेडिया नेट+ जैसी कई कंपनियां शामिल हैं। गुजरात में बड़े पैमाने पर अतिरिक्त परियोजनाएं स्थापित करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कंपनियों के साथ फॉलो-अप चर्चाएं चल रही हैं। गुजरात सरकार घ्ऊ/घ्ऊाए क्षेत्र के माध्यम से सहयोग, इनोवेशन और सतत आर्थिक विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

गुजरात में बेमौसमी बारिश का अनुमान, मछुआरों को समुद्र में सतर्क रहने की चेतावनी

अहमदाबाद (ईएमएस) ठंड के बीच गुजरात में फिर एक बार बेमौसमी बारिश का अनुमान व्यक्त किया गया हैं दक्षिण-पूर्व राजस्थान से गुजरात की ओर एक सिस्टम बढ़ रही है, जिसकी वजह से राज्य में कई जगह बरसाती सिस्टम सक्रिय हो सकती हैं खासकर दाहोद, महीसागर, अरवल्ली, साबरकांठा, पंचमहल और आणंद में बारिश की संभावना हैं क्षेत्रीय मौसम विभाग की निदेशक मनोरमा मोहंती के मुताबिक अहमदाबाद और गांधीनगर में बारिश की कोई संभावना नहीं हैं दक्षिण-पूर्व राजस्थान से गुजरात की बढ़ रही सिस्टम के कारण आगामी 3 दिन राज्य में 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगीं जिसे देखते हुए मछुआरों को समुद्र में सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई हैं अगले 48 घंटों में गुजरात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगीं गुजरात में आज नलिया राज्य का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री रिकार्ड हुआं जबकि अहमदाबाद में 19.5 डिग्री और गांधीनगर में 18.5 डिग्री तापमान रहां हाल ही में बेमौसमी बारिश से कृषि फसलों को हुए नुकसान से राज्य किसान उबरे नहीं थे कि फिर एक बार बारिश की संभावना ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं हांलाकि बेमौसमी बारिश से हुए नुकसान सर्वे करवा किसानों को आर्थिक सहायता देने का सरकार ने ऐलान कर दिया हैं

फेस्टिवल सीजन में अहमदाबाद रेल मण्डल ने टिकट जांच अभियान चलाकर अर्जित किया रिकॉर्ड राजस्व

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर सभी वैध यात्रियों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने एवं रेल यातायात में अनाधिकृत यात्रा की रोकथाम के लिए मेल/एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार गहन टिकट जांच अभियान चलाए जाते है। इस वर्ष दीपावली के त्यौहार सीजन में अहमदाबाद मंडल द्वारा टिकट जांच के विभिन्न प्रकार के अभियान चलाये गए। इस बड़े पैमाने पर की गयी जांच के दौरान माह नवम्बर 2023 में 45046 केस दर्ज करते हुए 3.49 रु. करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित किया। इस वर्ष मण्डल द्वारा अप्रेल 2023 से नवंबर 2023 तक बिना टिकट, अनियमित टिकट, बिना बुक समान के कुल 2.63 लाख मामले एवं 19.03 करोड रु. का राजस्व प्राप्त किया। 10 नवंबर 2023 को अभी तक सर्वश्रेष्ठ 25.42 लाख रु. का राजस्व प्राप्त किया जो टिकट जांच विभाग ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सभी यात्रा कर यात्रियो से अनुरोध है कि उपयुक्त रेल टिकिट पर ही यात्रा करे, इससे आप रेल प्रगति में योगदान देकर, सम्मान के साथ यात्रा भी कर सकेंगे।

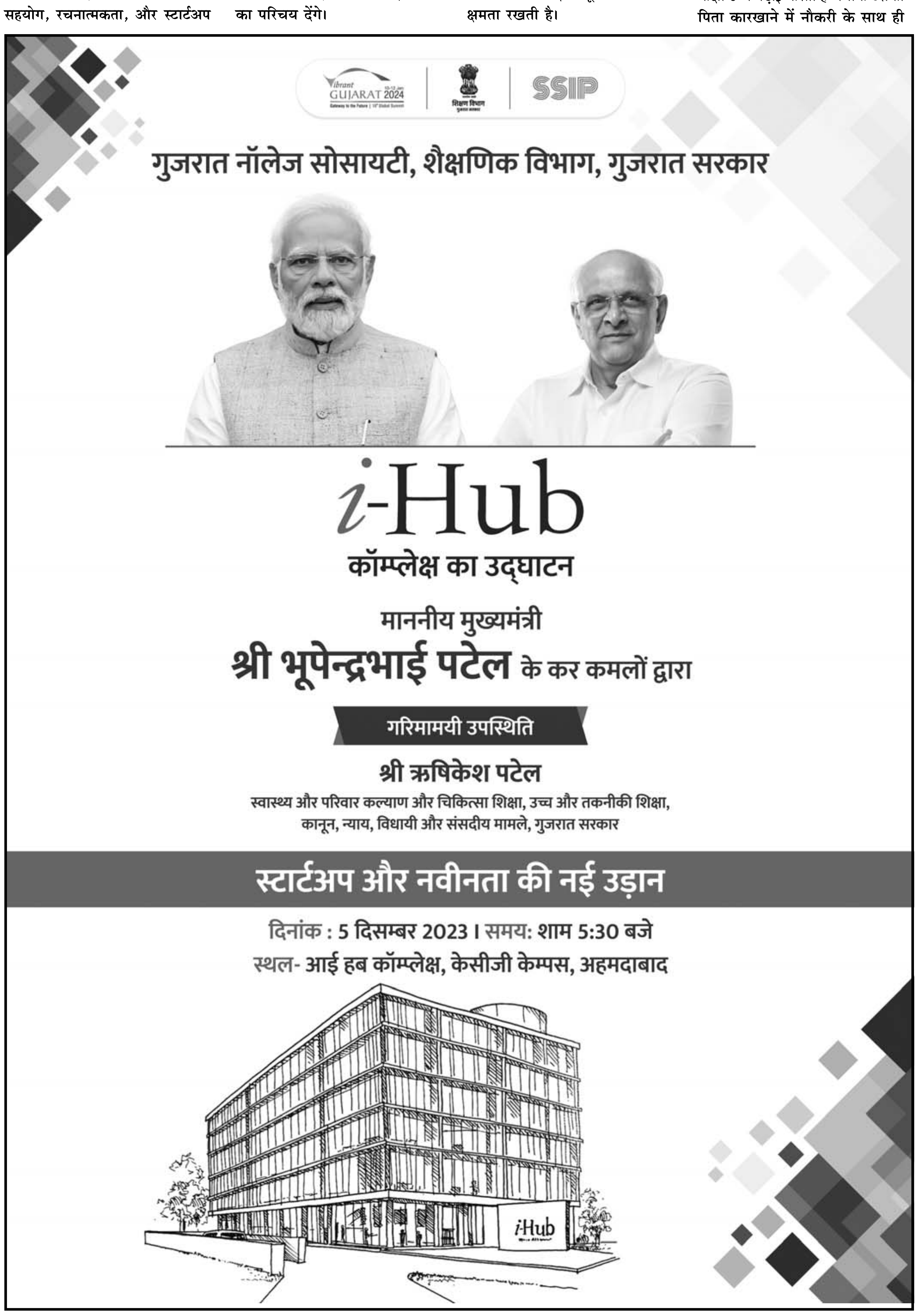

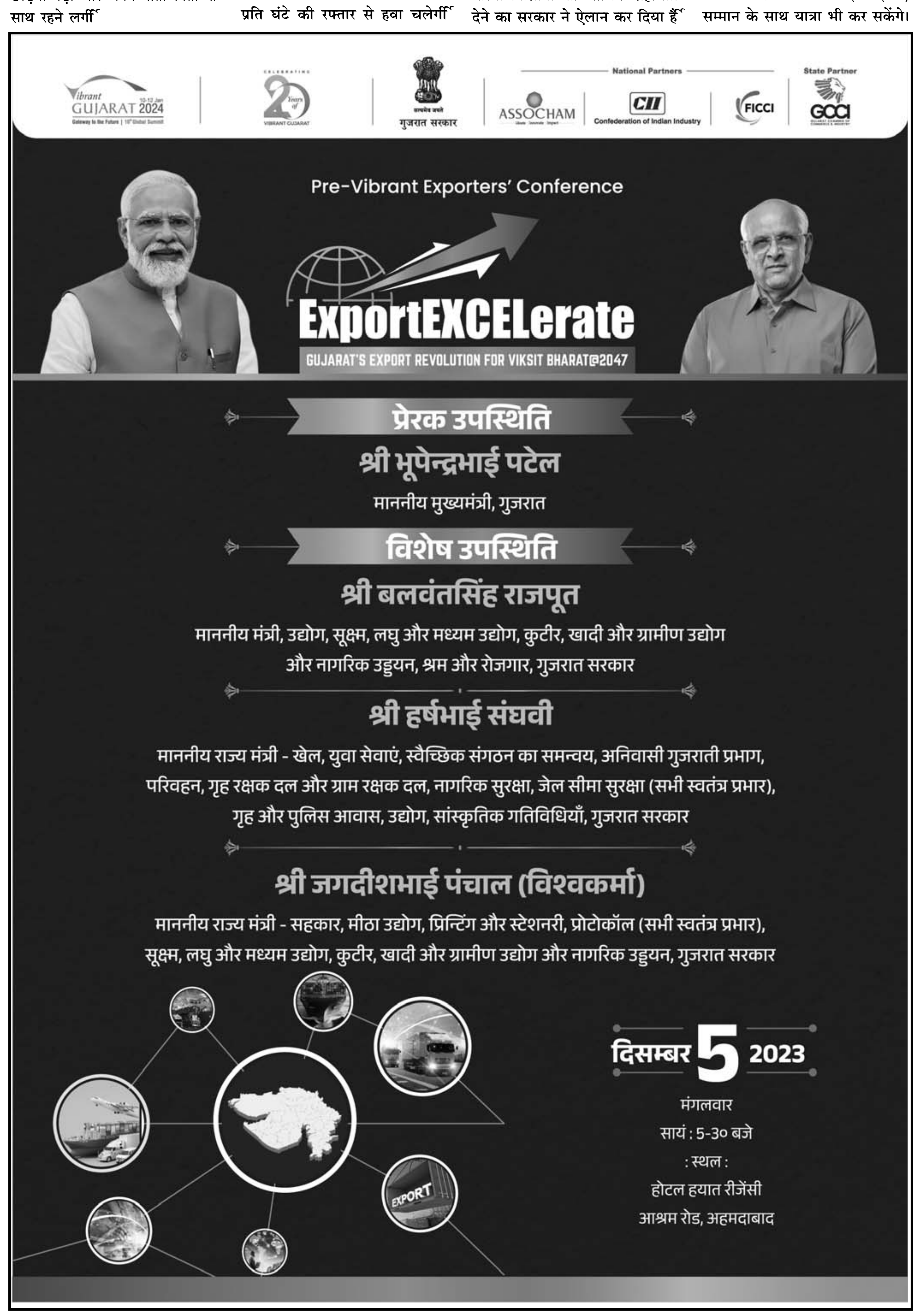

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95

Vibrant GUJARAT 2024 10-12 Jan Gateway to the Future | 10th Global Summit — Celebrating 20 Years of Vibrant Gujarat

सत्यमेव जयते ગુજરાત સરકાર

Gujarat Tourism

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
मुख्यमंत्री, गुजरात

"धोरडो, कच्छ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता को सम्मानित किए जाने पर बेहद खुश हूँ। यह सम्मान न केवल भारतीय पर्यटन की संभावनाओं को प्रदर्शित करता है, बल्कि विशेष रूप से कच्छ के लोगों के समर्पण को भी दर्शाता है।

धोरडो यूं ही चमकता रहे और दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करता रहे!"

- श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत

धोरडो:
UNWTO द्वारा घोषित 'श्रेष्ठ पर्यटन गाँव २०२३'

चाँदनी रात में

कच्छ के अनुपम सौंदर्य का

आनंद लीजिए

- शानदार टेंट या स्थानीय कच्छी भूंगा में रहने का आनंद
- कच्छी हस्तकला की प्रदर्शनी और खरीददारी
- मंत्रमुग्ध कर देने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अनुभव
- रोमांच-प्रेमी प्रवासीयों के लिए साहसिक गतिविधियाँ

#AmazingDhordo

रण उत्सव

धोरडो-कच्छ, गुजरात

दिसंबर २०२३ से फरवरी २०२४

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

अधिक जानकारी के लिए, डायल करें टोल-फ्री नंबर - १८०० २०३ ११११ या वेबसाइट www.gujarattourism.com पर जाएँ